भारत सरकार

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय

पशुपालन और डेयरी विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या- 732

दिनांक 07 फरवरी, 2023 के लिए प्रश्न

पशुपालन हेतु गांवों को गोद लेना

732. **श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:**
श्री संजय सदाशिवराव मांडलिक:
श्री श्रीरंग आप्पा बारणे:
श्री प्रतापराव जाधव:
श्री जनार्दन सिंह सीग्रीवाल:
श्री बिद्युत बरन महतो:
श्री भोलानाथ 'बी.पी.सरोज':
श्री सुधीर गुप्ता:

क्या **मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का देश में पशुपालन के विकास के लिए गांवों को गोद लेने का कोई विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) इस संबंध में सरकार द्वारा अनुमानित निधि का ब्यौरा क्या है और निर्धारित लक्ष्य क्या हैं;

(ग) उक्त प्रयोजन के लिए देश में बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और झारखंड सहित चिह्नित गांवों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है और उनकी संख्या कितनी है और इसे कब तक सम्पन्न किए जाने की संभावना है;

(घ) सरकार द्वारा उक्त राज्यों में पशुपालन, मछलीपालन और डेयरी को बढ़ावा देने के लिए कार्यान्वित की जा रही योजनाओं का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या उक्त योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए केंद्र सरकार द्वारा राज्य सरकारों को निधि उपलब्ध कराई जाती है और यदि हां तो, पिछले तीन वर्षों में से प्रत्येक के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री

(श्री परशोत्तम रूपाला)

(क) से (ड.) जी नहीं। देश में पशुपालन के विकास के लिए गांवों को गोद लेने की भारत सरकार की कोई योजना नहीं है। पशुपालन और डेयरी विभाग, भारत सरकार बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और झारखंड सहित पूरे देश में पशुपालन, डेयरी और मत्स्पालन क्षेत्र के संवर्धन और विकास के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रयासों को पूरित करने के लिए विभिन्न योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है, जैसेः

(i) राष्ट्रीय गोकुल मिशन,

(ii) राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम,

(iii) डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि,

(iv) डेयरी सहकारी समितियों और डेयरी कार्यकलापों में लगे किसान उत्पादक संगठनों को सहायता।

(v) राष्ट्रीय पशुधन मिशन

(vi) पशुपालन अवसंरचना विकास निधि

(vii) पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण कार्यक्रम (जिसमें पूर्ववर्ती पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण योजना और राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम को वर्ष 2021-22 से विलय कर दिया गया था।

(viii) पशुधन संगणना और एकीकृत नमूना सर्वेक्षण

(ix) प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना

(x) मत्स्यपालन और जलकृषि अवसरंचना विकास निधि

पिछले तीन वर्षों के दौरान उपरोक्त योजनाओं के तहत बजटीय आवंटन का विवरण निम्नानुसार है:

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	**योजना**	**2019-20**			**2020-21**			**2021-22**		
		बीई	**आरई**	**व्यय**	**बीई**	**आरई**	**व्यय**	**बीई**	**आरई**	**व्यय**
1	राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम	325.00	266.46	266.31	300.00	286.00	285.98	255.00	403.00	402.91
2	राष्ट्रीय गोकुल मिशन	302.00	270.00	269.95	310.00	400.00	399.91	502.04	663.00	662.84
3	राज्य सहकारी डेयरी परिसंघों को सहायता	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00	283.00	262.00	253.14
4	डेयरी प्रसंस्करण और अवसंरचना विकास निधि	58.00	34.59	34.59	60.00	10.00	10.00			
5	पशुपालन अवसंरचना विकास निधि	25.00	0.00	0.00	126.96	77.00	63.35			
6	पशुधन संगणना और एकीकृत नमूना सर्वेक्षण	150.00	126.49	126.01	100.00	94.00	93.97	70.00	40.00	39.81
7	पशुधन स्वास्थ्य और रोग नियंत्रण	474.98	346.00	340.85	438.00	250.00	249.30	1470.00	886.00	910.73
8	खुरपका और मुँहपका रोग (एफएमडी) और ब्रुसेलोसिस के लिए राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम	500.00	811.07	811.02	1300.00	858.00	858.00			
9	राष्ट्रीय पशुधन मिशन	480.00	405.39	401.69	370.00	425.00	424.82	350.00	288.00	283.98